एक नजर में

श्री गणेशोत्सव 2025 समिति का सम्मान किया

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज द्वारा कोजागिरी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुंबई की प्रसिध्द संगीत कलाकार गौरी पाठारे द्वारा भक्ति गीत, भजन, नाट्य संगीत आदि की सुरमयी प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मुग्ध किया। कार्यक्रम संयोजक सदाशिव नायगांवकर ने बताया कि इस अवसर पर हारमोनियम पर प्रमोद बोरगांवकर, तबले पर हितेंद्र दीक्षित, ताल (ताली) पर विश्वस चादोलीकर, तानपुरा पर पूर्णता यार्दे द्वारा संगत दी। इस अवसर पर समाज के श्री गणेशोत्सव 2025 का सफल आयोजन पर समिति का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अतिथि जिला चिकित्सालय चरक भवन के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. चिन्मय चिचोलीकर व समाजसेवी सुहास वैद्य भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी उपस्थित थे। अतिथि व कलाकारों का स्वागत अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, उपाध्यक्ष सदाशिव नायगांवकर, सचिव सुशील मूले, कोषाध्यक्ष जितेंद्र आपटे, मिलिंद पन्हालकर, संदीप विपट, विश्वास करहाड़कर, प्रदीप जोग, मनोज कार्लेकर, आरती वझे, रेणुका रागणेकर, अजय वाद्ये ने किया। कार्यक्रम पश्चात दुग्ध प्रसाद व अल्पाहार का वितरण किया गया। संचालन सुशील मूले द्वारा किया गया एवं आभार संदीप विपट ने माना।

माधव कॉलेज में युवा उत्सव का शुभारंभ

उज्जैन। विधायें अभिव्यक्ति का माध्यम होती हैं। विधायें परिवर्तन का परिचायक होती हैं। प्रतियोगिताओं में जीतना अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। प्रतियोगिताओं में भाग लेना और यात्रा जारी रखना महत्वपूर्ण है। युवा उत्सव अनुशासित सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बने यही कामना। यह उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय के युवा उत्सव 2025 का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने व्यक्त किये। शुभारंभ कार्यक्रम में मंगलाचरण एम ए पूर्वार्ध संस्कृत के विद्यार्थी विमल उपाध्याय और अक्षय अवस्थी ने प्रस्तुत किया। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. हुक्का कटारा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। संचालन छात्र संघ प्रभारी डॉ. जफर महमूद ने किया। आभार अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजश्री सेठ ने प्रस्तुत किया। युवा उत्सव के प्रथम दिन चित्रकला विभाग में कोलाज, कार्टूनिंग, पोस्टर निर्माण तथा मीटिंग हॉल में शास्त्रीय गायन, शास्त्री वादन, शास्त्रीय नृत्य एवं वाद विवाद, वक्कृता, प्रश्न मंच प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

अमित-अनामिका शर्मा सम्मानित हुए

उज्जैन। मप्र अशासकीय शाला प्रतिनिधि संगठन जिला उज्जैन का शपथ विधि समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर संचालन और संगीत क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों को दृष्टिगत रखते हुए अमित-अनामिका शर्मा को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अमित शर्मा और जितेंद्र शिंदे ने प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनामिका शर्मा ने किया। महेश जायसवाल ने जिलाध्यक्ष पद की शपथ ली। पं. हेमंत व्यास, महेश सितलानी, मनीष रावल, जितेंद्र निगम, विक्रम सिंह राठौड़, महेंद्र पाटीदार, भारत सिंह चौधरी, सुशील पटेल, बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, महेश परमार एवं बड़ी संख्या में उज्जैन जिले के शाला संचालक उपस्थित थे।

लोकभाषा पत्रिका संस्कृति संवाद का विमोचन

उज्जैन। मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन इकाई के तत्वावधान में डॉ. राजेश रावल द्वारा संपादित लोकभाषा की राष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका संस्कृति संवाद के 38वें अंक का विमोचन किया गया। प्रेस क्लब में आयोजित विमोचन प्रसंग में अध्यक्ष प्रो. हरिमोहन बुधौलिया रहे। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. श्रीकृष्ण जोशी, सारस्वत अतिथि वरिष्ठ मालवी कवि डॉ. शिव चौरसिया, विशिष्ट अतिथि प्रख्यात संस्कृत एवं सूरजबघेली लोकभाषा के कवि डॉ. तुलसीदास परोहा, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. उर्मि शर्मा, साहित्यकार डॉ. हरीशकुमार सिंह, पत्रकार संदीप सृजन के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कवयित्री शारदा श्री, डॉ. पुष्पा चौरसिया, माया मालवेन्द्र बदेका, अशोक भाटी, डॉ. स्वामीनाथ पांडेय, व्यंग्यकार मुकेश जोशी, सुगनचंद जैन, विनोद काबरा आदि कवि साहित्यकार उपस्थित थे। संचालन डॉ. राजेश रावल ने किया और आभार मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने व्यक्त किया।

मेयर समिट में महापौर होंगे सम्मिलित

उज्जैन। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा आज दिनांक 15 अक्टूबर को नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव एवं मेयर समिट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें उज्जैन नगर निगम से महापौर मुकेश टटवाल सम्मिलित होंगे। यह ऐतिहासिक आयोजन महापौरों और शहर के नेताओं के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा, जिससे वे एकजुट होकर भारत के शहरी परिदृश्य में नवाचार, नेतृत्व और परिवर्तन ला सकेंगे, जो सरदार पटेल के दृष्टिकोण पर आधारित होगा।

निगम ने हटाए फ्लेक्स, बैनर्स एवं होर्डिंग्स

उज्जैन। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम अन्यकर अमले द्वारा शहर के प्रमुख मार्गो पर लगे फ्लेक्स, बैनर्स एवं होर्डिंग्स हटाए जाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को अमले द्वारा कोयला फाटक से लेकर इंदौर गेट, हरी फाटक, बेगम बाग, महाकाल चौराहा, तोपखाना, मालीपुरा सहित अन्य मार्गो से फ्लेक्स, बैनर्स एवं होर्डिंग्स हटाए जाने की कार्रवाई की गई।

17 को होगी मेयर इन काउसिंल की बैठक

उज्जैन। महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में बुधवार 15 अक्टूबर को मेयर इन काउसिंल की बैठक आहुत की गई थी। परंतु अपरिहार्य कारणों को उक्त बैठक को स्थगित की जाकर 17 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी।

नवभारत की खबर का असर

बहुत हुई मिलावट की मार, अबकी बार नहीं छोड़ रही मोहन सरकार

मिलावट माफियाओं पर कसा शिकंजा

त्योहारी सीजन से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, उज्जैन में 150 किलो नकली मावा जब्त, रोड रोलर से मावा नष्ट करने से मावा माफिया में मचा हड़कंप

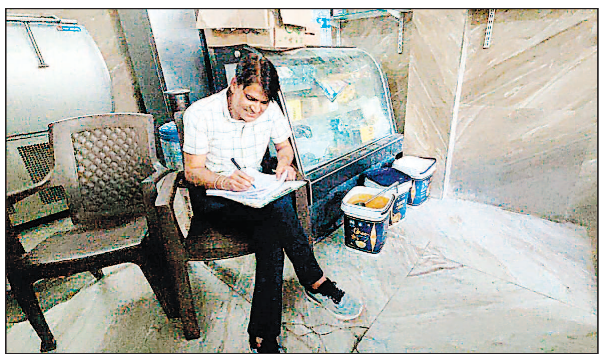

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के जो दिशा निर्देश दिए थे उसके बाद त्योहार पर मिलावट करने वाले व्यापारियों की शामत आ गई है। बहुत हुई मिलावट की मार इस बार नहीं छोड़ रही मोहन सरकार इस प्रकार का संदेश जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर खाद विभाग द्वारा मिलावट करने वाले व्यापारियों को साफ तौर पर दिया जा रहा है।

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए खाद्य विभाग की टीम लगातार सक्रिय हो गई है। खाद्य विभाग की टीम ने उज्जैन और बड़नगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए न केवल कई दुकानों से खाद्य सामग्री के सैंपल लिए, बल्कि लगभग 150 किलोग्राम संदिग्ध और अस्वच्छ मावा भी जब्त किया। जिसमें से 50 किलोग्राम मावे को तत्काल रोड रोलर से नष्ट कर दिया गया।

मावे की खराब और गंदी जगह पर पैकिंग को देखते हुए टीम ने इसे तत्काल जब्त कर लिया। खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए इस 50 किलोग्राम मावे को एमआर 5 स्थित नगर निगम के डिपो पर ले जाकर रोड रोलर चढ़वाकर नष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि खाद्य विभाग की टीम पहले भी इस तरह अस्वच्छ मावे को नष्ट कर चुकी है। इसी क्रम में, खाद्य विभाग की टीम ने देवास गेट बस स्टैंड पर भी बड़ी कार्रवाई की। बेगम बस के माध्यम से परिवहन किए जा रहे चार टोकरियों में रखा लगभग 100 किलोग्राम मावा जब्त किया गया। इस भारी मात्रा के मावे के परिवहन के लिए न तो कोई बिल (खरीद का) था और न ही कोई बिल्टी (परिवहन का दस्तावेज)। प्रस्तुत किया गया। नकली मावा किसका था और किसे भेजा जा रहा था। इस बारे में कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। खाद्य विभाग ने तत्काल यह 100 किलोग्राम मावा जब्त कर लिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित अवधि में कोई व्यापारी या अन्य व्यक्ति वैध दस्तावेज़ के साथ इसे लेने नहीं आता है, तो नमूने लेने के बाद इस मावे को भी नष्ट कर दिया जाएगा।

नवभारत ने उठाया था मुद्दा

दरअसल नवभारत ने मिलावट माफियाओं और नकली मावे के संबंध में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था उसके बाद अधिकारियों ने टीम बनाई और नकली मावा व्यापारियों पर शिकंजा कसना प्रारंभ कर दिया गया है। खाद्य अधिकारी बसंत शर्मा और बीएस देवलिया के नेतृत्व वाली टीम ने सबसे पहले गाड़ी अड्डे चौराहे पर कार्रवाई की। टीम को जानकारी मिली थी कि यहां सड़क पर मावा रखा हुआ है। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि लगभग 50 किलोग्राम मावा बेहद अस्वच्छ तरीके से सड़क किनारे, कीचड़ के बीच रखा हुआ था। पूछताछ में पता चला कि यह मावा महिदपुर से उज्जैन के गोपाल मंदिर के पास स्थित जयराम मावा सेंटर के लिए लाया गया था।

मावा, घी, दूध और मिठाई के सैंपल

मावा नष्ट करने की कार्रवाई के साथ ही खाद्य विभाग की टीम ने शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए सैंपलिंग का अभियान भी चलाया। बड़नगर में टीम ने कमल डेयरी से दूध, गोपाल डेयरी से घी और शर्मा स्वीट से मिठाई के सैंपल लिए। इसके अलावा, उज्जैन के मंछामन क्षेत्र में नारायण डेयरी से घी और दूध तथा नवकार किराना से सौंप के भी सेंपल लिए। खाद्य अधिकारी शर्मा ने सभी व्यापारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे केवल हाइजेनिक (स्वच्छ) खाद्य पदार्थ ही बेचें और शुद्धता के मानकों का पूरी तरह से ध्यान रखें। यह लगातार हो रही कार्रवाई मिलावटखोरों के लिए एक कड़ी चेतावनी है। विदित हो कि इसके पूर्व भी खाद्य विभाग ने कार्रवाई कर होटल आदि की जांच कर सेंपल लिए थे।

गांजे के साथ पकड़ाए थे बदमाश ,खुला लूट का राज

2 साथियों के साथ मिलकर की थी वारदात, रिमांड पर पूछताछ

उज्जैन। गांजे के साथ हिरासत में आए आरोपी ने दो साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात करना कबूल किया है। पुलिस ने उसके एक साथी को हिरासत में ले लिया है। दूसरे की तलाश की जा रही है। बदमाशों को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

नीलगंगा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि लालपुल के समीप कच्चे मसान के पास एक युवक गांजा लेकर खड़ा है और किसी का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने मौके की घेराबंदी की, युवक को हिरासत में लिया गया उसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा मिला। थाने लाने पर आरोपी का नाम सुजीत शील होना सामने आया जो बंगाली कॉलोनी का रहने वाला था। पूर्व में भी उसके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने पर पूछताछ शुरू की गई, उसने अपने दो साथियों लकी मेंशन और राजपाल बना के साथ मिलकर धन्ना लाल की चाल में बाइक सवार के साथ लूट की वारदात करना भी कबूल कर लिया। टीआई तरुण कुरील ने बताया कि 9 अक्टूबर की रात 2 बजे धन्नालाल की चाल में झालावाड़ के रहने वाले दिनेश पिता मोहनलाल के साथ 40 हजार की लूट हुई थी। जिसकी शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश की जा रही थी। कुछ फुटेज सामने आए थे लेकिन स्पष्ट नहीं थे। गांजे के साथ पकड़ाए आरोपी से पूछताछ करने पर लूट का खुलासा हुआ है। उसके दूसरे साथी लक्की को विरासत में ले लिया गया है। राजपाल बना की तलाश की जा रही है। गिरफ्त में आए गांजे और लूट के दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

विवाद में पुत्र ने पिता पर डंडे से किया हमला

उज्जैन। पिता की जमीन पर कब्जा कर फर्जी नामांकन कराकर बेचने की बात को लेकर हुए विवाद में पुत्र ने डंडे से हमला कर दिया। घायल पिता को उपचार के लिए उज्जैन लाया गया है। मामला कायथा के ग्राम नलेश्री का होना सामने आया है। अजीम पिता नमीर बख्श के पास 10 बीघा जमीन थी। चार बीघा उसने अपने बेटे इमरान को कुछ साल पहले दे दी थी। उक्त जमीन को बेटे इमरान ने बेच दिया और बाद में फर्जी दस्तावेजों से पिता की छः बीघा जमीन पर भी कब्जा कर लिया। सोमवार को पिता अपनी जमीन पर फसल बोने के लिए पहुंचे तो पुत्र वहां पहुंच गया और अपनी जमीन होना बताकर फसल बोने से रोकने का प्रयास करने लगा। पिता ने विरोध किया तो उसने फर्जी दस्तावेज दिखाए और डंडे से हमला कर दिया। सिर में चोट लगने पर पिता लहूलुहान हो गए। पुत्र भाग निकला परिजन घायल अजीज को उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लेकर आए। कायथा पुलिस द्वारा घायल के बयान दर्ज कर मारपीट करने वाले पुत्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज करेगी।

फसल खराब होने पर किसान ने खाया जहर

उज्जैन। झारड़ा क्षेत्र के ग्राम सेकली में रहने वाले किसान सवसिंह पिता नरसिंह तंवर 62 साल में सोमवार को जहर खा लिया था। जिनकी उपचार के दौरान रात में मौत हो गई। सुबह चरक अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में किसान का पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान बेटे बद्री सिंह तंवर ने बताया कि पिता पिछले कई दिनों से सोयाबीन की फसल खराब होने से परेशान थे। बैंक का कर्ज चुकाना था, साथ ही उन्होंने ट्रैक्टर फाइनेंस करवाया था। जिसकी किस्त भी बकाया चल रही थी। इस बार 7 बीघा जमीन पर 8 क्विंटल ही सोयाबीन हो पाई थी हर बार 30 से 35 क्विंटल सोयाबीन होती थी। इसी के चलते पिता तनाव में चल रहे थे। पिता ने भैंसों के तबेले में जाकर जहरीला पदार्थ सल्फास खाई थी। बेटे का कहना था कि जब वह चारा डालने गया था तब उसने पिता को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा था उनके पास से सल्फास की डिब्बी भी मिली थी। इससे पहले भी महिदपुर के दो किसानों ने उसे दिन पहले जहर खाया था।

पुष्य नक्षत्र : बाजार में दिखी रौनक बर्तन-आभूषण बाजार में भीड़

उज्जैन। धनतेरस दीपावली से पहले इस बार पुष्य नक्षत्र 2 दिन के योग में मंगलवार से शुरू हुआ। पहले दिन दोपहर बाद बाजार में रौनक दिखाई दी। बर्तन और आभूषण बाजार में शहर वासी खरीदारी के लिए पहुंच रहे थे। आज भी दोपहर तक पक्ष नक्षत्र में खरीदारी का सिलसिला बना रहेगा।

मंगलवार को सिद्ध योग में पुष्य नक्षत्र की शुरुआत हुई। सुबह से बाजार सजा हुआ दिखाई दे रहा था दुकानदारों को ग्राहकों का इंतजार था। दोपहर बाद बाजार में रौनक दिखाई देने लगी। इस बार पुष्य नक्षत्र का योग दो दिनों का होने पर पहले दिन खरीदारी का मिला-जुला असर दिखाई दिया। बर्तन बाजार पटनी बाजार क्षेत्र में देर शाम तक काफी भीड़ बनी रही। आभूषण बाजार में लोग पहुंचे थे लेकिन सोने और चांदी का भाव अधिक होने पर ज्यादा खरीदारी नहीं हो पाई। आभूषण बाजार में व्यापारियों को दूसरे दिन जमकर खरीदारी होने की उम्मीद बनी हुई है। जहां मंगलवार को सिद्ध योग रहा वहीं बुधवार को साध्य योग में खरीदारी होगी। वाहनों के शोरूम पर भी भीड़ कम दिखाई दी पुष्य नक्षत्र में लोग पहुंच रहे थे लेकिन अधिकांश लोगों ने दीपावली और धनतेरस के लिए वाहनों की बुकिंग कराई। जीएसटी कम होने पर दो पहिया वाहनों की ओर शहर वासियों का रुझान अधिक दिखाई दिया। इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर भी खरीदारी का मिला-जुला असर बना रहा। माना जा रहा है कि दो दिन के पुष्य नक्षत्र में 100 करोड़ से अधिक का व्यापार बर्तन से लेकर आभूषण और वाहनों के साथ इलेक्ट्रॉनिक समान का हो सकता है।

माता-पिता और दादी को घर से निकालने वाले बेटे-बहू को भेजा जेल

उज्जैन। मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में भैरवगढ़ पुलिस ने वृद्ध माता-पिता व दादी को घर से निकालकर उनके साथ मारपीट करने वाले बेटे और बहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इस संवेदनशील मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए यह संदेश दिया है कि वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्राम गोयला बुजुर्ग में रहने वाले सेवाराम आंजना 65 साल और उनकी पत्नी के साथ 90 साल की वृद्ध मां को फसल काटकर पैसे देने के विवाद में बेटे कमल आंजना और बहू राधा ने 9 अक्टूबर को मारपीट कर घर से निकाल दिया था। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर 3 दिन बाद मारपीट करने वाले बेटा बहू को गिरफ्तार कार्यालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेजा गया है। वृद्ध सेवाराम आंजना ने पुलिस को बताया था कि बेटा बहू उन्हें रुपए पैसों को लेकर भी प्रताड़ित करते हैं। इस बार खेत में सोयाबीन की फसल को काटकर बेचने और पूरे रुपए देने के लिए कुछ दिनों से विवाद कर रहे थे मना करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया था। पुलिस शिकायत के बाद वृद्ध माता-पिता और 90 साल की मां को लेकर घर पहुंचे थे भाग निकले थे। तीन दिन बाद दोनों को वापस लौटने पर गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा अपील की गई है कि यदि किसी वृद्ध नागरिक के साथ दुर्व्यवहार या भरण-पोषण में लापरवाही हो रही है, तो नज़दीकी थाने में तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।

फिल्म डायरेक्टर महेश मांजरेकर पत्नी के साथ महाकाल पहुंचे

उज्जैन। फिल्म डायरेक्टर महेश मांजरेकर पत्नी मेधा के साथ मंगलवार को उज्जैन पहुंचे। उन्होंने यहां महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद हरसिद्धि व कालभैरव मंदिर भी गए। मांजरेकर इंदौर से दोपहर 12 बजे उज्जैन आए। इसके बाद वे पहले काल भैरव मंदिर गए जहां अंदर से दर्शन, पूजन कर गढ़कालिका मंदिर गए फिर महाकाल मंदिर भी पहुंचे जहां नंदी हॉल व गर्भगृह के बाहर से उन्होंने दर्शन लाभ लिया व पूजन भी किया। पुजारियों के हाथों उन्होंने भगवान को जल भी अर्पित किया। नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना कही। महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद हरसिद्धि के दर्शन का लाभ लिया। यह पहला मौका नहीं है जब महेश मांजरेकर उज्जैन आए हो पहले भी वे कई बार यहां की यात्रा कर दर्शन कर चुके हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेटिंग भेंट

स्वामी श्री श्री 1008 घनश्यामाचार्य महाराज अध्यक्ष झालरिया जन सेवा ट्रस्ट एवं बालमुकुंद आश्रम, झालरिया मठ नरसिंह घाट एवं उज्जैन के पदेन अध्यक्ष आनंद बांगड़ की प्रेरणा से कोलकाता के रहने वाले रमेश बांगड़ एवं उनके परिवार ने मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 7,500 वर्ग फीट जूट की मेटिंग भेंट की। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने सामग्री प्राप्त कर दानदाता परिवार का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि जूट की यह पट्टियां मंदिर परिसर में धूप के दौरान बिछाई जाती है ताकि श्रद्धालुओं के पैर न जले।

रूस के भक्तों ने भात पूजा भी कराई

रूस से आए एक दर्जन भक्तों के प्रतिनिधि मंडल ने प्रसिद्ध मंगलनाथ मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने जनकल्याण की भावना से भात पूजा भी संपन्न कराई। मंदिर के पुजारी महंत अक्षय राजेंद्र भारती ने बताया कि रूस से आए भक्तों को पहले उन्होंने दर्शन कराए। इसके बाद उन्होंने जब पूजन की इच्छा जाहिर की तो भात पूजन भी संपन्न कराई। भक्तों ने मंदिर में रहकर अंग्रेजी में ही बात की और यहां का धार्मिक महत्व समझा। भक्तों ने बताया कि उनकी उज्जैन में यह पहली यात्रा थी। मंगलनाथ मंदिर के बारे में काफी सुना था।

दीपकों का उत्सव — **इस दीवाली चायनीज दीये छोड़ मिट्टी के ही खरीदें, स्वदेशी अपनाएं और अपने कारीगरों का संबल बढ़ाएं**

दीपोत्सव पर मिट्टी की महक के साथ देशी दीयों से सजाएं अपने घर और आंगन को

नवभारत न्यूज

उज्जैन। इन दिनों बाजारों में दीपावली की रौनक है। दीपावली दीपों का पर्व है। इस दिन घर-घर में दीये जलाकर रोशनी की जाती है। इन दिनों कुम्हारों की चाक पर परंपरा और आस्था एक साथ आकार ले रही है। वे कई घंटे मेहनतकर मिट्टी के दीये बना रहे है। मिट्टी के दीये न केवल रोशनी का प्रतीक है, बल्कि हमारी संस्कृति की भी पहचान है। हाथों की मेहनत और मिट्टी की महक मिलकर हर घर आंगन को उजाला देने को तैयार है। लेकिन पिछले कुछ सालों से बाजार में चायनीज दीयों की भरमार है। इस बार चायनीज दीयों को छोड़, देशी मिट्टी के दीयों से दीपावली मनाएं।

स्वदेशी को अपनाएं और अपने कारीगरों का संबल बढ़ाएं। दीपावली का त्योहार साल में एक ही बार आता है। यही अवसर है जब हम मेड इन इंडिया को अपनाकर अपने कारीगरों की मेहनत का सम्मान कर सकते हैं। मिट्टी का दिया जलाना केवल पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि स्वदेशी का संदेश भी है। इस दीपावली अपने घर-आंगन को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीये जनाने का संकल्प लें।

कुम्हार इन दिनों चाक पर लगातार मिट्टी के दीये बन रहे हैं। मिट्टी की महक के बीच कुम्हार अपने हाथों से हजारों दीये तैयार कर रहे है। वे साल भर दीपावली का ही इंतजार रहता है, क्योंकि यही एक अवसर होता है जब मेहनत रंग लाती है। मिट्टी के दीये खरीदेंगे तो उन्हें अच्छा कारोबार मिलेगा। मिट्टी का दिया केवल एक साधारण दीपक नहीं, बल्कि परंपरा, संस्कृति और स्वदेशी का प्रतीक है। इसमें जलती लो से केवल घर ही नहीं, बल्कि इन्हें बनाने वालों के जीवन में भी उजाला फैलता है। आज जब चीनी उत्पाद बाजार पर कब्जा जमाए हुए है। ऐसे में एक दीपक भी अगर देसी खरीदा जाए तो यह हमारी संस्कृति और अपने कारीगरों को संबल देने जैसा होगा।

हजारों साल पुरानी कला, आज भी जीवित

कुंभकार जीतमल प्रजापति, सुरेश प्रजापत ने बताया कि हजारों साल पहले जब इंसान ने पहली बार मिट्टी को आकार दिया था, तब से लेकर आज तक यह परंपरा जारी है। हमारे पूर्वजों ने जिन बर्तनों में दाल, दूध, दही और अचार रखा, वहीं परंपरा आज भी दीपावली पर दिखती है। इतिहासकारों को खुदाई में मिले मिट्टी के बर्तन इस बात के गवाह है कि यह कला हमारी सभ्यता का अभिन्न हिस्सा रही है। मिट्टी के बर्तन न केवल पर्यावरण के अनुकूल है बल्कि इनसे जुड़ा है अपनापन और सादगी का भाव।

कुंभकारों के चाक पर लौट आई रौनक

कभी गर्मियों में घड़ों और कुल्हड़ों की भरपूर बिक्री होती थी मगर अब इनकी जगह प्लास्टिक और स्टील ने ले ली है। मिट्टी मिलना भी मुश्किल हो गया है। त्यौहारों को छोड़ बाकी समय में कुंभकार मजदूरी करके ही जीवनयापन करते हैं। फिर भी दीपकों को सहेजते हैं यही दृश्य इस मौसम की सबसे सुंदर झलक है। दीपावली ऐसा समय है जब उनकी मेहनत हर घर में रोशनी बनकर जलती हैं। कुंभकारों के घरों में इन दिनों मिट्टी की महक और दीपों की चमक फैली हुई है। महिलाएं मिट्टी गुंथती है, पुरुष चाक चलाते है और बच्चे सीखते।